प्रेस प्रकाशनी PRESS RELEASE

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
वेबसाइट : www.rbi.org.in/hindi
Website : www.rbi.org.in
ई-मेल/email : helpdoc@rbi.org.in

संचार विभाग, केंद्रीय कार्यालय, शहीद भगत सिंह मार्ग, फोर्ट, मुंबई-400001
Department of Communication, Central Office, Shahid Bhagat Singh Marg, Fort, Mumbai-400001 फोन/Phone: 022- 22660502

आज़ादी का अमृत महोत्सव

31 मार्च 2023

गैर-सरकारी गैर-वित्तीय पब्लिक लिमिटेड कंपनियों का वित्त, 2021-22

आज, भारतीय रिज़र्व बैंक ने 6,973 कंपनियों, जिन्होंने 2019-20 से 2021-22 तक तीन लेखा वर्षों के लिए भारतीय लेखा मानक (इंड-एएस) प्रारूप में रिपोर्ट किया, के लेखापरीक्षित वार्षिक लेखा के आधार पर 2021-22 के दौरान गैर-सरकारी गैर-वित्तीय (एनजीएनएफ़) पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के वित्तीय कार्यनिष्पादन से संबंधित आंकड़े (https://dbie.rbi.org.in/DBIE/dbie.rbi?site=statistics#!2_44) जारी किए।

इन कंपनियों की चुकता पूंजी (पीयूसी) ₹6,41,681 करोड़ थी, जो मार्च 2022[1] में एनजीएनएफ पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के कुल पीयूसी का 43.3 प्रतिशत था। उनका आर्थिक क्षेत्र वर्गीकरण, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के एमजीटी-7 फॉर्म (वेब-लिंक: https://www.mca.gov.in/MinistryV2/companyformsdownload.html) में रिपोर्ट की गई उनकी प्रमुख कारोबारी गतिविधि पर आधारित है, जो इन आंकड़ों का प्राथमिक स्रोत है।

मुख्य बातें

बिक्री

- एनजीएनएफ पब्लिक लिमिटेड कंपनियों की बिक्री में 2021-22 के दौरान बदलाव दर्ज किया गया क्योंकि कोविड-19 महामारी के कम होने के साथ आर्थिक गतिविधियों में सुधार हुआ; यह पिछले वर्ष में 2.1 प्रतिशत के संकुचन की तुलना में 36.4 प्रतिशत बढ़ा (विवरण 1)।
- सभी प्रमुख क्षेत्रों (जैसे विनिर्माण, खनन, बिजली, निर्माण और सेवाओं) ने 2021-22 के दौरान उच्च बिक्री वृद्धि दर्ज की (विवरण 10)।

व्यय

- मजबूत बहाली के कारण, 2021-22 के दौरान प्रमुख क्षेत्रों और पीयूसी के आकार वाले श्रेणियों में परिचालनगत व्यय में वृद्धि हुई (विवरण 1, 8 और 10)।

[1] शृंखला में जारी पिछले आंकड़े 22 सितंबर 2022 को प्रकाशित किए गए थे। इसमें वर्ष 2019-20 और 2020-21 के लिए 7,233 कंपनियों को शामिल किया गया, जिनका मार्च 2021 के अंत में कुल पीयूसी ₹5,40,493 करोड़ था।

परिचालनगत व्यय

- एनजीएनएफ पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के परिचालनगत लाभ में 2021-22 में 29.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो पिछले वर्ष में 15.6 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक है (विवरण 1)। वर्ष के दौरान मजबूत बिक्री वृद्धि ने प्रमुख क्षेत्रों के लिए उच्च परिचालनगत लाभ का समर्थन किया (विवरण 10)।

- बिक्री वृद्धि की तुलना में विनिर्माण व्यय (51.7 प्रतिशत) में उच्च वृद्धि के कारण बिक्री की तुलना में परिचालन लाभ और सकल लाभ के अनुपात में मामूली कमी आई (विवरण 1 और 2)।

लीवरेज

- सकल स्तर पर, पब्लिक लिमिटेड एनजीएनएफ कंपनियों ने अपनी वित्त पोषण आवश्यकताओं के दीर्घकालिक वित्तपोषण के स्थान पर अल्पकालिक उधार को प्राथमिकता दी (विवरण 4 ए), जिससे उनके लीवरेज में सुधार हुआ; ऋण की तुलना में इक्विटी अनुपात पिछले वर्ष के 41.3 प्रतिशत से घटकर 2021-22 के दौरान 36.7 प्रतिशत हो गया (विवरण 2)।

- ब्याज व्याप्ति अनुपात [आईसीआर, जो ब्याज व्ययों की तुलना में ब्याज और करों से पूर्व (ईबीआईटी) आय का अनुपात है और किसी कंपनी की ऋण चुकौती क्षमता का एक माप है, जिसका न्यूनतम व्यवहार्य मूल्य 1 है] 2021-22 के दौरान कम ब्याज व्ययों और उच्च सकल लाभ के कारण बढ़कर 4.1 प्रतिशत (पिछले वर्ष में 3.0 प्रतिशत) हो गया (विवरण 1 और 2)।

निवेश

- लगातार महामारी की लहरों के बाद मांग की स्थिति पर अनिश्चितताओं, इनपुट लागत में वृद्धि, इन्वेंट्री और प्राप्य राशियों के संचय में वृद्धि, साथ ही आपूर्ति बाधाओं सहित वैश्विक विकास को देखते हुए, कॉर्पोरेट्स अपने क्षमता विस्तार और अन्य पूंजी निवेश में सतर्क थे, जिसके परिणामस्वरूप 2021-22 के दौरान कम स्थिर पूंजी निर्माण हुआ (विवरण 2, 3 और 5 बी)।

विवरणों के लिए व्याख्यात्मक नोट अनुबंध में दिए गए हैं।

अजीत प्रसाद
निदेशक (संचार)

प्रेस प्रकाशनी: 2022-2023/1945